क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

E-mail: krantisamay@gmail.com
संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 216, शुक्रवार, 31 अगस्त, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

परिणाम के लिए बीटीसी-15 के प्रशिक्षुओं ने किया प्रदर्शन

इलाहाबाद। बीटीसी 2015 बैच के तृतीय सेमेस्टर का परिणाम घोषित करने और चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा सितंबर के अंतिम सप्ताह में कराने की मांग को लेकर सैकड़ों प्रशिक्षुओं ने बीटीसी संयुक्त प्रशिक्षु मोर्चा के बैनर तले सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी कार्यालय एलनगंज का घेराव किया। पूरे दिन धरना देने के बावजूद सचिव डॉ. सुत्ता सिंह से कोई आश्वासन नहीं मिलने पर 5 सितंबर तक घेराव करने की घोषणा की। बीटीसी-15 बैच के तकरीबन 80 हजार प्रशिक्षुओं का दो वर्ष का कोर्स 22 सितंबर को पूरा हो रहा है। जबकि तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 8 से 10 सितंबर तक कराई और अब तक परिणाम घोषित नहीं हुआ है। इस बीच 68500 सहायक अध्यापकों के एक और बैच की लिखित परीक्षा दिसंबर में ही प्रस्तावित हैं। इन अभ्यर्थियों को डर है कि समय से परिणाम नहीं मिलने पर वे भर्ती प्रक्रिया से बाहर हो जाएंगे। यही कारण है कि प्रशिक्षु सितंबर अंत में चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा कराने की मांग कर रहे हैं। घेराव करने वालों में मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश प्रताप सिंह, बाबा मिश्रा, विक्रम यादव, अनिल पाल, अंकेश सिंह आदि शामिल थे।

सनसनी: बुलंदशहर में ट्रिपल मर्डर, दो मासूम बच्चों समेत मां की गला रेतकर हत्या

एजेंसी, बुलन्दशहर। उत्तर प्रदेश में बुलन्दशहर के नगर कोतवाली क्षेत्र में गुरूवार को दो मासूम बेटों समेत मां की गला रेतकर हत्या कर दिये जाने से सनसनी फैल गयी। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि गिरधारी नगर मोहल्ले में पदम सिंह का मकान में रामकुमार अपने परिवार समेत किराये पर रहता है। सुबह राम कुमार की अपनी पत्नी रूबि से किसी बात को लेकर कहा सुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर उसने अपने भाई के साथ मिलकर रूबि (28) तथा अपने दो पुत्रों सात वर्षीय पुत्र केशव तथा तीन वर्षीय यतिन की धारदार हथियार से गलारेतकर हत्या कर दी। चीखपुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर नगर कोतवाली की पुलिस मौके पर पहुंच गई। बताया जाता है कि पुलिस की गाड़ी के सायरन की आवाज सुनते ही राम कुमार अपने भाई के साथ मौके से फरार हो गया। मां व दो बेटों की हत्या की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कृष्ण बहादुर सिंह, पुलिस अधीक्षक (सिटी), पुलिस अधीक्षक (अपराध)पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एसएसपी कृष्ण बहादुर सिंह ने बताया कि हत्या कांड़ की अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि इस हत्या कांड़ को रामकुमार ने ही अंजाम दिया है। उन्होंने बताया कि शुरूआती जांच में हत्या के पीछे घरेलू विवाद, रूपयों के लेनदेन का मामला सामने आया है। उन्होंने बताया कि राम कुमार नगर के मौहल्ला टांडा का रहने वाला है और ठेला लगाकर परिवार का पालन पोषण कर रहा था। घटना के बाद से राम कुमार तथा उसका भाई फरार है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पश्चिम बंगाल की जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा कैदी केरल बाढ़ राहत में देना चाहता है 1 लाख रुपये

एजेंसी, कोलकाता। कोलकाता की अलीपुर सेंट्रल जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा एक बुजुर्ग शख्स केरल बाढ़ राहत में 1 लाख रुपये की मदद देना चाहता है। ये वो पैसे हैं जो 70 से अधिक उम्र के शेख अजीज नाम के इस व्यक्ति ने जेल में छोटा-मोटा काम करके कमाए हैं। शेख अजीज ने केरल बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए 1 लाख रुपये देने के लिए आवेदन किया है। करेक्शनल सर्विस डिपार्टमेंट के मंत्री उज्ज्वल बिस्वास ने कहा, 'यह काफी अच्छी चीज है। जैसे ही यह प्रस्ताव मेरे पास आएगा, मैं इसे पास कर दूंगा।' जेल अधिकारियों के मुताबिक अजीज केरल से ताल्लुक रखता है, यह बात उसने किसी को नहीं बताई। जेल में कैदियों को उनके काम के मुताबिक 8 घंटे कार्य करने के बदले में 200 रुपये से 280 रुपये तक की मजदूरी मिलती है। अजीज का आवेदन अभी डीजी अरुण गुप्ता को भेजा गया है। अजीज को 1993 के बाउबाजार ब्लास्ट केस में दोषी ठहराया गया था। इस हमले में 69 लोगों की जान गई थी। अजीज 25 साल से ज्यादा समय से जेल में है। नियम के मुताबिक कैदी जो भी जेल में कमाते हैं, उसका आधा उन्हें दे दिया जाता है और आधा उनके बैंक खाते में डाल दिया जाता है।

कहा- योग समाज को जोड़ता है

यूपी :राज्यपाल ने चार जेल कर्मियों को राष्ट्रपति पदक दिया

लखनऊ, एजेंसी। राज्यपाल रामनाईक ने कहा कि योग का मतलब सबको जोड़ने का काम है। योग शरीर में सभी प्रकार के विकारों और बीमारियों को दूर करता है। शरीर को स्वस्थ्य रखता है। नियमित योग करने से मन और दिमाग भी ठीक रहता है। यही वजह है कि 200 से अधिक देश योग को अपना रहे हैं। भारत की पहल पर 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाने लगा है।

गुरुवार को जिला कारागार में आयोजित मानस वाणी संस्था द्वारा आयोजित फेस योग कार्यक्रम में राज्यपाल ने कैदियों को संबोधित करते हुए कहा कि मन को काबू रखने की विद्या योग में निहित है। इससे भाई-चारा बना रहता है। यह पहला मौका था जब राज्यपाल प्रदेश के किसी जेल में पहुंचे। उन्होंने सत्याग्रह के दौरान मुंबई की जेल में बिताए हुए सात दिन के दौरान हुए घटनाक्रम को कैदियों के साथ साझा किया। उन्होंने उपनिषदों के सूत्रों का हवाला देते हुए कहा जीवन में निरंतर क्रिया शील और कर्मशील रहें। 84 वर्षीय राज्यपाल ने कहा नियमित योग और सूर्य नमस्कार की देन है कि कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी को वह मात दे चुके हैं। समारोह में राज्यपाल ने राष्ट्रपति द्वारा घोषित सराहनीय सुधारात्मक सेवा पदक दो जेल अधिकारी समेत चार को प्रदान किया। जेल राज्य मंत्री जय कुमार सिंह जैकी ने कहा कि नियमित योग करने वाले कैदियों को सजा में छूट दिए जाने की वकालत की। सजायाफ्ता कैदी जेल में नियमित योग से जुड़ सकें। इसके लिए उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया। साथ ही शासनस्तर पर इस संबंध में बात करेंगे। राज्य मंत्री डा. महेंद्र सिंह ने योग की उपयोगिता के बारे में बताया।

इस मौके पर जिला जेल परिसर में सभी ने पौधरोपण किया। आईजी जेल चंद्र प्रकाश ने कहा कि सूबे की सभी जेलों में नियमित योग कराया जाएगा।

इस मौके पर प्रमुख सचिव अरविंद कुमार, आईजी जेल चंद्र प्रकाश, जिला जज एनके जौहरी, अपर महानिरीक्षक जेल डॉ. शरद, डीआईजी उमेश कुमार श्रीवास्तव व संजीव त्रिपाठी के अलावा अधीक्षक आरएन पाण्डेय व उमेश सिंह, जेलर सीपी त्रिपाठी, अरुण मिश्रा, नयनतारा बनर्जी समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

इन्हें मिला राष्ट्रपति पदक

राज्यपाल राम नाईक ने समारोह में जिला जिला जेल लखनऊ के वरिष्ठ अधीक्षक प्रेम नाथ पाण्डेय, फिरोजाबाद के डिप्टी जेलर शैलेश सिंह, मथुरा जेल के बंदीरक्षक चतुर्भुज यादव और बहराइच जेल के बंदीरक्षक राजकुमार को राष्ट्रपति का सराहनीय सुधारात्मक सेवा पदक प्रदान किया।

400 बंदियों को सिखाया योग

मानस वाणी संस्थान की प्रमुख योगाचार्य मानसी गुलाटी ने चार सौ बंदियों को फेस योग कराया। उन्होंने बताया कि योग से मानसिक और शारीरिक कष्ट कैसे दूर होते हैं। इससे चहरे का भाव बदल जाता है। रक्तदाब सहित कई अन्य परेशानियां योग से दूर होती है।

बिम्स्टेक बैठक में भाग लेने नेपाल जाएंगे पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चौथे 'बे ऑफ बंगाल इनीशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक को ऑपरेशन' (बिम्सटेक) की बैठक में हिस्सा लेने के लिए नेपाल की राजधानी काठमांडू जा रहे हैं। चौथे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन गुरुवार से शुरू होने जा रहा है। पीएम मोदी 30 और 31 अगस्त को दो दिवसीय यात्रा पर काठमांडू में होंगे। बता दें कि 30- 31 अगस्त को काठमांडू में होने वाले चौथे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में दक्षिण एशियाई और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के सदस्य शामिल होंगे।

आतंकवाद पर होगी चर्चा

गुरुवार को होने वाली इस बैठक में सदस्य देशों के बीच आतंकवाद सहित सुरक्षा के विविध आयाम, मादक पदार्थों की तस्करी, साइबर अपराध, आपदाओं के अलावा कारोबार एवं कनेक्टिविटी से जुड़े विषयों पर बातचीत की जाएगी। साथ ही आपसी सहयोग मजबूत बनाने पर जोर दिया जायेगा। आपको बता दें कि 7 देश के इस समूह में सार्क के 5 देश-बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल और श्रीलंका शामिल हैं। इनके अलावा आसियान के दो देश म्यांमार और थाईलैंड भी इसके सदस्य हैं। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक सभी बिम्सटेक देशों के लिए आतंकवाद से मुकाबला बहुत महत्वपूर्ण विषय है। गोवा में वर्ष 2016 में संपन्न बिम्सटेक आउटरीच सम्मेलन में जारी घोषणापत्र में आतंकवाद से मुकाबले पर विचार विमर्श हुआ था। उस बैठक में जोर दिया गया था कि आतंकवादी गतिविधियों को किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता।

आजम खां के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले अमर सिंह की प्रेस कांफ्रेंस में मारपीट

रामपुर। समाजवादी पार्टी के फायरब्रांड नेता आजम खां के खिलाफ आवज बुलंद करने के बाद आज रामपुर पहुंचे अमर सिंह के वहां कदम रखते ही माहौल गरम हो गया है। अमर सिंह की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुछ लोगों ने जमकर हंगामा किया। देखते ही देखते हालात और बेकाबू हो गए, नौबत मारपीट और तोड़फोड़ तक जा पहुंची। बताया जा रहा है कि कुछ मीडियाकर्मी भी आपस में भिड़ गए। बताते चलें कि अमर सिंह के रामपुर पहुंचने से पहले ही वहां हिंदू युवा वाहिनी भारत के सदस्यों ने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस पहुंचकर आजम खां के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। अमर सिंह के समर्थन में पहुंचे इन लोगों ने जय श्री राम, जो राजपूतों से टकराएगा चूर चूर हो जाएगा।

यूपी : विधान परिषद में सपा-बसपा का हंगामा, कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कल विधानसभा में सपा को लेकर दिए गए बयान के विरोध में विधान परिषद में गुरुवार को सपा और बसपा के सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया। वे हाथ में काली पट्टी बांधकर सदन में आए थे।हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही दो बार 15-15 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी।

सदन की कार्यावाही जैसी ही शुरू हुई सपा-बसपा के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के चलते सभापति ने शोर-शराबा रोकने की कोशिश की लेकिन सदस्य नहीं माने।

इस पर हंगामा होने के चलते सभापति ने सदन की कार्यवाही दो बार पंद्रह-पंद्रह मिनट के लिए स्थगित कर दी। बुधवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने सपा पर निशाना साधा था। सीएम ने बसपा को नसीहत देते हुए सपा से दूर रहने की बात कही थी। वहीं उन्होंने सपा सरकार द्वारा आतंकी मामलों में पकड़े गए लोगों पर से मुकदमा हटाने की कोशिशों को लेकर कहा था कि यह देशद्रोह है।

उन्होंने कहा कि अदालत ने लखनऊ कचहरी ब्लास्ट के आरोपी आतंकियों को सजा दी है। सपा जब प्रदेश की सत्ता में थी तो उसने राष्ट्र व समाज की सुरक्षा के लिए खतरा बने इन आतंकियों पर से मुकदमे वापस लेने की कोशिश की थी। यह राष्ट्रद्रोह से कम नहीं है।

योगी बोले, आतंकियों से केस हटाने की सपा सरकार की कुचेष्टा देशद्रोह

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि पूर्ववर्ती सपा सरकार द्वारा आतंकवादियों के मुकदमे वापस लेने की कुचेष्टा देशद्रोह है। उसने राष्ट्रीय सुरक्षा को ही खतरे में डाल दिया था। सपा नेता आतंकियों की पैरवी करते थे, दलित और वंचितों की नहीं। उन्होंने कहा कि यदि कोर्ट हस्तक्षेप नहीं करता तो ये आतंकवादी आज छूटकर देश और प्रदेश को दहला चुके होते। कोर्ट ने सारे मामले का संज्ञान लेकर इन आतंकवादियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। मुख्यमंत्री विधानसभा में बुधवार को अनुपूरक बजट पर चर्चा का जवाब दे रहे थे। मुख्यमंत्री के जवाब के साथ ही अनुपूरक बजट और उससे संबंधित विनियोग विधेयक विपक्ष की गैरमौजूदगी में सर्वसम्मति से पारित हो गया।

बिना टोकाटाकी डेढ़ घंटे बोले योगी

संपूर्ण विपक्ष के वाकआउट के कारण बिना किसी टोका-टाकी के श्री योगी करीब डेढ़ घंटे तक बोले। उन्होंने इस दौरान उन्होंने सपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। साथ ही विपक्षी बसपा को सपा से सचेत भी किया। उन्होंने कहा कि विपक्षियों के कारनामे जनता के सामने न आने पाएं, इसीलिए वे बहाना बनाकर बहस से भाग रहे और वार्क आउट कर गए। सरकार हर मुद्दे पर खुले दिल से चर्चा चाहती है। साथ ही यह भी चाहती है कि सकारात्मक सोच से वे प्रदेश के विकास और प्रगति में भागीदार बनें।

घुसपैठियों की डकैती मंजूर नहीं

मुख्यमंत्री ने असम की एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर) की पहल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि शरणार्थियों का सम्मान दें, लेकिन घुसपैठियों के रूप में देश और प्रदेश के लोगों के हकों पर डकैती डालने की छूट नहीं दी जा सकती है। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने का लिए भी आभार जताया। साथ ही कहा कि पिछली सरकार ने इन जातियों के छात्रों को छात्रवृत्ति तक से वंचित किया। हमारी सरकार ने छात्रवृत्ति वितरित की।

किसानों की कर्ज माफी व गन्ना किसानों का भुगतान

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने की फसल कर्जमाफी की योजना सफलतापूर्वक पूरी की। इस अनुपूरक बजट में 1500 करोड़ रुपये किसानों के कर्ज के लिए अंतिम किस्त के रूप में रखे गए हैं। गन्ना किसानों का पिछली सरकार का बकाया भुगतान कराया। जबकि पिछली सरकार में सत्ता और मिल मालिक मिलकर किसानों का शोषण करते थे।

120 लाख मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन हुआ है, जिससे चीनी के दाम गिरे हैं। इसलिए सरकार ने मिल मालिकों के लिए किसानों का भुगतान करने के लिए चार हजार करोड़ के कर्ज की व्यवस्था की है। शर्त यह है कि कर्ज की धनराशि सीधे गन्ना किसानों के खाते में जाएगी। गन्ना किसानों का वे अभी तक कुल 35 हजार करोड़ का भुगतान करा चुके हैं। मिल मालिकों को साढ़े चार रुपये प्रति कुंतल का अनुदान भी देंगे। इसके लिए 500 करोड़ की व्यवस्था की है।

दलितों, वंचितों को तबाह किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि दलितों और वंचितों के नाम पर राजनीति करने वाली सरकारों ने दलितों और वंचितों को तबाह किया। शासन की योजनाओं का लाभ उनको नहीं दिया। पीएम आवास योजना के तहत सपा की सरकार ने एक भी आवास नहीं बनवाया। 150 लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस केंद्र सरकार देना चाहती थी, लेकिन केवल इसलिए नहीं ली कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रांडिंग होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के बारे में कुछ नेता टिप्पणी करके अपना काम बताते हैं, जबकि योजनाएं किसी व्यक्ति विशेष की नहीं होती, सरकार जनता के लिए इनको संचालित करती हैं। जबकि पिछली सरकार में मात्र बीस फीसदी जमीन अधिगृहीत की गई थी। हमने 94 फीसदी जमीन अधिगृहीत की है। बिड सिविल वर्क के लिए पिछली सरकार में 15,200 करोड़ की थी।

रॉफेल डील पर कांग्रेस के आरोपों का वित्त मंत्री अरुण जेटली ने दिया जवाब

सही नहीं हैं राहुल गांधी द्वारा लगाए आरोप

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राफेल डील पर कांग्रेस के आरोपों का वित्त मंत्री अरुण जेटली ने आंकड़े गिनाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। सर्जरी के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से इंटरव्यू देते हुए जेटली ने कहा कि कांग्रेस ने कीमतों को लेकर जो आरोप लगाए हैं, वे तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह गलत हैं।

2007 के राफेल ऑफर को लेकल राहुल गांधी खुद अपनी अलग-अलग स्पीच में 7 तरह के दाम बता चुके हैं। जेटली ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी जिस तरह की बात कर रहे हैं, वह प्राइमरी स्कूल के स्तर की डिबेट है। फाइनेंस मिनिस्टर ने कहा कि 2007 के मुकाबले 2015 में हुई राफेल डील रेट्स के मुकाबले कहीं बेहतर है। उधर, कांग्रेस ने जेटली के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। जेटली ने कहा कि राहुल कह रहे हैं कि हम 500 से कुछ ज्यादा दे रहे थे और आप 1600 रुपये से कुछ अधिक दे रहे हैं। इस तरह के तर्कों से पता चलता है कि उनकी समझ कितनी कम है। जेटली ने राहुल गांधी के डील पर अलग-अलग बयानों को लेकर कहा कि जयपुर में उन्होंने 520 करोड़ और 540 करोड़ रुपये की फिगर एक ही स्पीच में बताई। यही नहीं हैदराबाद में उन्होंने 526 करोड़ रुपये कीमत बता दी। जेटली ने राहुल पर अटैक करते हुए कहा कि इस तरह अलग-अलग आंकड़े बताने से ही उनके बयानों की सच्चाई पता चलती है। जेटली ने सवालिया अंदाज में कहा कि क्या ये बिना किसी तय तथ्यों के ही लगाए जा रहे हैं? जेटली ने कहा कि इस तरह से राहुल गांधी की बयानबाजी राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाने वाली है।

कांग्रेस ने खारिज की जेटली की दलील

कांग्रेस पार्टी ने जेटली के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उल्टे कई सवाल दाग दिए। कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने डील पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह 30 हजार करोड़ का ऑफसेट है। एचएएल से करार छीनकर रिलायंस को यह करार दिया गया। क्या यह राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं हुआ? क्या राष्ट्रीय सुरक्षा कहती है कि बेईमानी होनी चाहिए। चिदंबरम ने नोटबंदी के आंकड़ों को लेकर मोदी सरकार पर साधा निशाना कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने नोटबंदी के बाद जमा हुए रुपयों के संदर्भ में रिजर्व बैंक की ओर से ऑफिशियल आंकड़ा जारी किए जाने के बाद आज केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा।

हार्ट सर्जरी कराने एक सितम्बर को फ्रांस जाएंगी शीला दीक्षित

नई दिल्ली। पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित हृहय का इलाज कराने एक सितम्बर को फ्रांस जाएंगी। दिल्ली के फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉर्ट इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष डॉ अशोक सेठ ने श्रीमती दीक्षित को फ्रांस जाने की सलाह दी थी, जिसके बाद उन्होने दिल्ली सरकार के डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) को हॉर्ट वॉल्व रीप्लेसमेंट सर्जरी के लिए खर्च स्वीकृत करने का प्रस्ताव दिया था। प्रस्ताव विचार के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कमेटी को भेज दिया था। इसपर फैसला लेने के लिए चार सदस्यों की एक्सपर्ट कमिटी बनाई गई थी। कमेटी में स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव व मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के डीन शामिल थे। अब फ्रांस के डॉ थॉमस मोडीन की देखरेख में उनकी सर्जरी कराई जाएगी।

संपादकीय

नक्सलियों के मददगार

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के भीमा-कोरेगांव में हिंसा भड़काने और नक्सलियों से मिलीभगत के आरोप में पुणो पुलिस की ओर से गिरफ्तार पांच लोगों को घरों में नजरबंद रखने के निर्देश देकर एक हद तक उनके प्रति नरमी का ही परिचय दिया है, लेकिन इसे उनकी जीत भी नहीं कहा जा सकता। चूंकि यह अंतरिम आदेश है इसलिए अगली सुनवाई पर ही पता चलेगा कि इन पांचों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस के दावे में दम है या फिर इनके बचाव में दी जा रही इस तरह की दलीलों में कि असहमति को दबाया जा रहा है। निःसंदेह तभी यह भी पता चलेगा कि सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी भी अंतरिम है या नहीं कि असहमति लोकतंत्र के लिए प्रेशर कुकर के सेफ्टी वॉल्व की तरह है। सुप्रीम कोर्ट अगली सुनवाई में चाहे जिस नतीजे पर पहुंचे, इसमें कोई दोराय नहीं कि देश के ग्रामीण इलाकों में नासूर बने नक्सलवाद को उसी तरह के शहरी लोगों से खुराक मिल रही है जैसे लोगों को पुणो पुलिस ने गिरफ्तार किया। उसने इसके पहले भी पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। तब उसकी ओर से यह भी कहा गया था कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हत्या की साजिश रच रहे थे। पांच और लोगों की गिरफ्तारी के बाद भले ही इस तरह के आरोप उछाले जाएं कि देश में आपातकाल लग गया है और असहमति की आवाज के लिए कोई जगह नहीं रह गई है, लेकिन यह एक तथ्य है कि शहरों में पढ़े-लिखे लोगों का एक समूह है जो नक्सलियों से सहानुभूति रखने के नाम पर उनकी मदद करता है। इस तथ्य से राजनीतिक दल और खासकर कांग्रेस भी भली तरह परिचित है। यह बात और है कि आज वह पुणो पुलिस के साथ केंद्र सरकार को भी कोसने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहती। 1राजनीतिक ढिठाई का इससे सटीक उदाहरण और कोई नहीं हो सकता कि वे कांग्रेसी नेता भी पुणो पुलिस की ओर से गिरफ्तार लोगों के लिए आंसू बहा रहे हैं जिन्होंने सत्ता में रहते समय इनमें से कुछ की गिरफ्तारी को उचित ठहराया था। कांग्रेस यह भूलने का भी बहाना कर रही है कि जिस कानून के तहत नक्सलियों से मिलीभगत के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया उसे कठोर करने का काम उसके सत्ता में रहते समय ही हुआ था। हैरत नहीं कि अब वह ऑपरेशन ग्रीन हंट से भी अनभिज्ञता जताए और मनमोहन सिंह के इस बयान से भी कि नक्सलवाद आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा है। पुणो पुलिस की कार्रवाई पर राजनीतिक और वैचारिक सुविधा के तहत आसमान सिर पर उठाए लोग इस सच से मुंह मोड़ने का ही काम कर रहे हैं कि नक्सलियों के प्रति हमदर्दी रखने के साथ ही उनकी हर संभव तरीके से मदद करने वाले तत्व शहरी समाज में सक्रिय हैं। इसका प्रमाण तब मिला था जब दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जीएन साईंबाबा को नक्सलियों की मदद के अपराध में सजा सुनाई गई थी। निःसंदेह ऐसे तत्वों के खिलाफ आरोप साबित करना कठिन है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि शहरी समाज में नक्सलियों के दबे-छिपे मददगार नहीं हैं।

सत्ता का नया हथियार

शहरी नक्सल/ अनिल चमड़िया

शहरी नक्सल का प्रचार शहर में रहने वाले उन शिक्षकों, वकीलों, पत्रकारों, संस्कृतिकर्मियों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और छात्रों की राजनीतिक स्वतंत्रता और चेतना को बंधक बनाने के लिए है, जो कि स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों और परंपरा को जारी रखने में यकीन करते हैं। वकील इसीलिए कि वे समर्पित भाव से उन मुकदमों को लड़ने की ताकत दिखाते हैं, जिन्हें पुलिस झूठे आरोपों में जेल में डाल देती है। आतंकवाद के झूठे मामलों को भी अदालत में चुनौती देने वाले वकीलों की हत्या और हमले की कई घटनाएं सामने आ चुकी है। शिक्षक कैम्पस में छात्र-छात्राओं को समाज को देखने का नजरिया देता है और छात्रों को इसीलिए ताकि नई पीढ़ी में सत्ता की निरंकुशता के विरोध में संगठित होने के भाव को कुचला जा सके जो कि वर्तमान दौर में सबसे ज्यादा सतह पर दिखाई देने लगा है।

भीमाजी कोरे गांव में इस वर्ष 1 जनवरी को दलितों के खिलाफ हिंसा हुई थी। 31 दिसम्बर 2017 को दलित बड़ी संख्या में वहां जमा हुए थे और हिंसा के लिए जिम्मेदार हिन्दुत्ववादी तत्वों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। लेकिन उस एफआईआर पर कार्रवाई के बजाय हिंसा में जो लोग शामिल थे, उनकी पुणो में 8 जनवरी को यह एफआईआर पुलिस ने दर्ज कर ली कि 1 जनवरी की हिंसा के लिए यलगार परिषद के वे लोग जिम्मेदार है, जिन्होंने भीमाजी कोरे गांव में महार रेजिमेंट की जीत के दो सौ वर्ष पूरे होने के मौके पर दलितों की विजय दिवस के लिए 31 दिसम्बर 2017 को मिटिंग की थी। इसी मुकदमे को पुणो पुलिस ने मार्च 2018 को आंतरिक सुरक्षा के खिलाफ षड्यंत्र के रूप में बदल दिया और उसमें शामिल होने के लिए मशहूर वकील सुरेन्द्र गडलिंग, अंग्रेजी की नागपुर में प्रोफेसर शोमा सेन, मशहूर मराठी कवि व संपादक सुधीर धावले, राजनीतिक बंदी रिहाई अभियान के दिल्ली में सक्रिय रोमा विल्सन और ''प्रधानमंत्री फेलोशिप' धारक महेश राउत को 6 मई को गिरफ्तार कर लिया। वकील सुरेन्द्र गडलिंग के घर और दफ्तर में अप्रैल 2018 को पुलिस ने छापेमारी भी की थी। ये दलितों, आदिवासियों के लिए लड़ने वाले वकील के रूप में लोकप्रिय हैं। पुलिस ने उनके खिलाफ यूपीएपी की धाराएं भी लगी दी ताकि कम-से-कम छह माह तक जमानत नहीं मिल सके। देश में आतंकवाद के नाम पर मुस्लिम युवकों की धड़ाधड़ गिरफ्तारियां और आरोपों के झूठे होने के कई दर्जन उदाहरण सामने हैं। पुलिस की ''योरी' में राजनीतिक निहितार्थ के संकेत मिलते हैं। गिरफ्तार पांच लोगों को शहरी इलाके में सक्रिय नक्सली कनेक्शन का नाम दिया गया। आतंकवाद के प्रचार ने जिस तरह मुस्लिमों के भीतर डर पैदा किया है उसी तर्ज पर शहरी नक्सल का निशाना उनके खिलाफ है जो तत्कालीन सत्ता और उसकी वैचारिक राजनीति के खिलाफ जी जान से लगे हुए हैं। 6 मई के बाद महाराष्ट्र की पुलिस प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में चर्चित पत्रकार विश्व दीपक की तलाश में आई क्योंकि प्रेस क्लब के नियमों के अनुसार उसने वहां प्रेस कॉफ्रेंस के लिए आवेदन पर दस्तखत किए थे। शहरी नक्सल योरी को प्रधानमंत्री की हत्या के षड्यंत्र से जोड़ा गया। पिछले कुछ वर्षो में बड़े नेताओं की हत्या की साजिश के आरोप में दर्जनों लोगों को गिरफ्तार किया गया लेकिन अदालत ने आरोपों को झूठा माना। शहरी नक्सल योरी और प्रधानमंत्री की हत्या की साजिश पुलिस को बेशुमार पॉवर से लैस कर देती है। इसी पॉवर का इस्तेमाल कर महाराष्ट्र की पुलिस ने देश के विभिन्न हिस्सों में 28 अगस्त को एक साथ दर्जन भर प्रोफेसर, वकील, पत्रकार, संस्कृतिकर्मी, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के घरों पर सुबह छह बजे छापेमारी की और उन्हें देशद्रोह के षड्यंत्र में शामिल होने की जानकारी दी। इन वर्षो में पुलिस और मीडिया का बड़ा हिस्सा एक दूसरे के पूरक के रूप में सक्रिय हुआ है। मीडिया ने पहले शहरी नक्सल का जोर-शोर से प्रचार किया लेकिन बिना किसी नक्सल चेहरे के। केवल शब्द का प्रचार आम लोगों के बीच इसीलिए किया जाता है ताकि उस शब्द के रंग में जरूरत के अनुसार किसी भी चेहरे को रंग दिया जा सके। शहरी नक्सल के आरोप का प्रचार सबसे पहले गिरफ्तार कार्यकर्ताओं को जनतांत्रिक चेतना से लैस उन लोगों से काट देता है, जिनका दिमाग नक्सल आंदोलन को अपराधी होने के प्रचार से भरा जा चुका है। 28 अगस्त को जिस सुधा भारद्वाज को गिरफ्तार किया गया है, उनके बारे में पहले कुख्यात टीवी चैनल ने शहरी नक्सलवादी होने का प्रचार कार्यक्रम चलाया। ये छुपाते हुए कि वह देश के जाने-माने बुद्धिजीवी परिवार से जुड़ीं हैं और आदिवासियों, मजदूरों के बीच अपना पूरा जीवन लगाया है। वे पेशे से वकील हैं और उन्होंने अपनी अमेरिकी नागरिकता को भी उस दौर में त्यागने का फैसला किया, जिस समय हजारों की तादाद में ''हमारे देशभक्त' अमेरिकी नागरिकता के लिए मुंह बाए खड़े दिखाई देते हैं। इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली (ईपीडब्ल्यू) के संपादक रहे गौतम नवलखा मानवाधिकार के लिए लड़ने वाले देश के एक मशहूर कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते हैं। आतंकवाद निरोधक कानून के खिलाफ संघर्ष में लगे रहे हैं। कवि वरवरा राव सेवानिवृत्त प्रोफेसर हैं। इनके अलावा डा. भीम राव अम्बेडकर के परिवार से जुड़े डॉ. आनंद तेलतुम्बड़े पूरी दुनिया में अपनी बौद्धिकता के लिए जाने जाते हैं। अरु ण फरेरा समर्पित वकील है और दलितों के आंदोलनों से जुड़े रहे हैं। उन्हें पहले भी माओवादी लिंक के आरोप में गिरफ्तार किया गया लेकिन अदालत ने छोड़ दिया और वर्नोन गोंजाल्विस मुबंई की एक मशहूर कॉलेज में प्रोफेसर थे। शहरी नक्सल का प्रचार शहर में रहने वाले उन शिक्षकों, वकीलों, पत्रकारों, संस्कृतिकर्मियों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और छात्रों की राजनीतिक स्वतंत्रता और चेतना को बंधक बनाने के लिए हैं, जो कि स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों और परंपरा को जारी रखने में यकीन करते हैं। वकील इसीलिए कि वे समर्पित भाव से उन मुकदमों को लड़ने की ताकत दिखाते हैं, जिन्हें पुलिस झूठे आरोपों में जेल में डाल देती है। आतंकवाद के झूठे मामलों को भी अदालत में चुनौती देने वाले वकीलों की हत्या और हमले की कई घटनाएं सामने आ चुकी है। शिक्षक कैम्पस में छात्र-छात्राओं को समाज को देखने का नजरिया देता है और छात्रों को इसीलिए ताकि नई पीढ़ी में सत्ता की निरंकुशता के विरोध में संगठित होने के भाव को कुचला जा सके जो कि वर्तमान दौर में सबसे ज्यादा सतह पर दिखाई देने लगा है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की हत्या और हमले की दर्जनों घटनाएं सामने आ चुकी है। कल्पना करें कि यदि मानवाधिकारवादी शहरों में नहीं होते तो क्या स्वतंत्रता को अंजाम दिया जा सकता था? राम नारायण कुमार को इंडिया टुडे ने भारत का पहला शहरी आतंकवादी बताया था। दक्षिण भारतीय ब्राह्मण परिवार के राम महंथ पिता के साथ अयोध्या के मठ में रहते थे लेकिन 1975 में उन्होंने मठ छोड़ दिया और 19 वर्ष की आयु में आपातकाल के विरोध के जेल में बंद कर दिए गए। जब झारखंड के कोयला खादान की हालात नहीं देखी गई तो वह सीधे मजदूरों को लेकर दिल्ली स्थित संसद सदस्य दलबीर सिंह के घर आ गए और 13 अप्रैल 1982 को उन्हें घंटों अपने कब्जे में रखा, जितने तरह के अखबार उतने तरह के आरोप राम पर लगे।

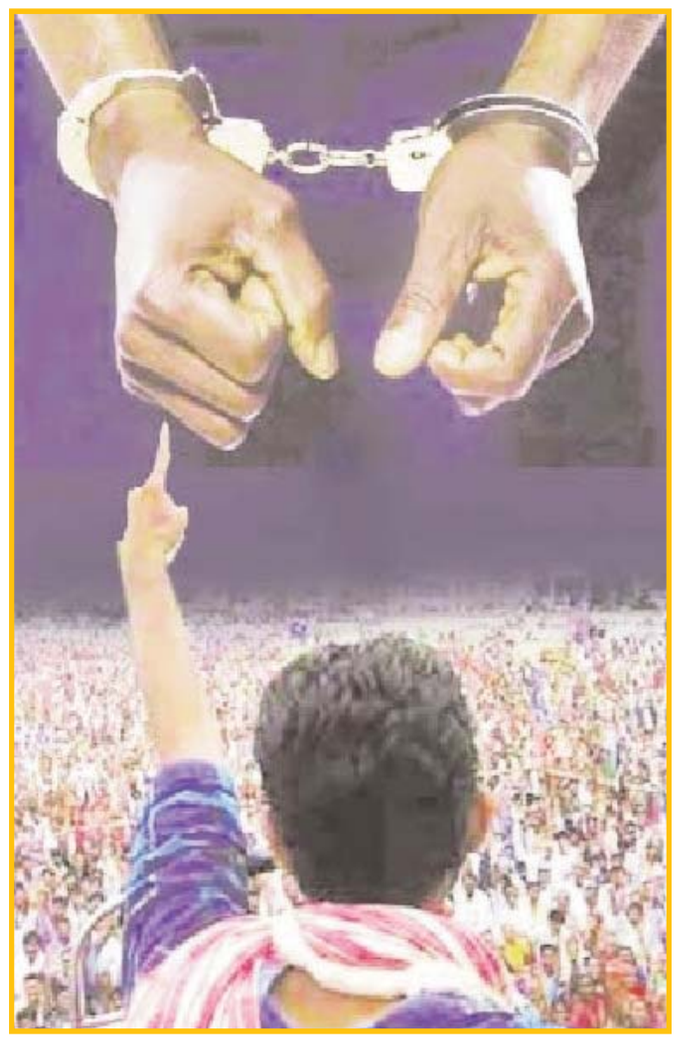

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

नहर सिंचाई को लेकर जागने का है वक्त

रमेश चंद और शांभवी शरण

नहरों के माध्यम से सिंचाई पहली पंचवर्षीय योजना से ही देश की सरकार की प्राथमिकता रही है। इसे ध्यान में रखते हुए ही मझोली और बड़ी सिंचाई परियोजनाओं में निवेश भी किया गया है। यही वजह है कि सरकारी नहरों से सिंचित रकबा सन 1950-51 के 71 लाख हेक्टेयर से बढ़कर सन 1980-81 तक 144 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया। इन तीन दशक में कुल सिंचाई में सरकारी नहरों से सिंचित क्षेत्र की हिस्सेदारी भी 34 प्रतिशत से बढ़कर 37 फीसदी हो गई। सरकारी नहरों से सिंचित क्षेत्र अगले दशक में भी बढ़ता रहा और सन 1991-92 में यह 173 लाख हेक्टेयर के उच्चतम स्तर पर भी पहुंचा। परंतु इस अवधि में भूजल सिंचाई कहीं अधिक तेजी से बढ़ी। सन 1991-92 के बाद से करीब आठ वर्ष तक नहरों से सिंचाई का राष्ट्रीय स्तर ठिठका रहा। उसके बाद से इसमें तेज गिरावट आनी शुरू हो गई और वर्ष 2002-03 में यह 138.7 लाख हेक्टेयर के निम्नतम स्तर पर आ गया। अगले चार वर्ष में कुछ सुधार हुआ लेकिन उसके बाद फिर ठहराव और गिरावट का दौर आ गया। वर्ष 2011-12 से 2014-15 के बीच नहरों द्वारा सिंचित क्षेत्र 160 लाख हेक्टेयर के करीब बना रहा। यह 20 वर्ष पहले से 10 लाख हेक्टेयर कम था। देश में मझोली और बड़ी सिंचाई परियोजनाओं में इतने निवेश के बावजूद नहरों के जरिये सिंचाई के रकबे में ठहराव और कमी चकित कर सकती है। वर्ष 1993 से 2014 के बीच देश में इन सिंचाई परियोजनाओं में पूंजीगत व्यय के मौजूदा मूल्य से औसतन 176.63 अरब रुपये वार्षिक व्यय किए गए। यह रुझान बताता है कि सिंचाई परियोजनाओं पर किए गए संसाधनों के व्यय की करीबी जांच पड़ताल की जरूरत है। अब भूतपूर्व हो चुके योजना आयोग को भी नहर सिंचाई रकबे में आए ठहराव और गिरावट पर ध्यान देने में करीब दो दशक का वक्त लगा। 12वीं पंचवर्षीय योजना (2011) के लिए तैयार दृष्टिकोण पत्र में यह स्वीकार किया गया कि इन बड़ी और मध्यम आकार की सिंचाई परियोजनाओं में काफी निवेश किया गया लेकिन सिंचित क्षेत्र में कोई खास इजाफा देखने को नहीं मिला। पत्र यह भी बताता है कि इन परियोजनाओं में से अनेक तो 30-40 वर्ष तक पूरी ही नहीं हो सकीं। जबकि बड़ी परियोजनाओं को 15-20 वर्ष में जबकि मझोली परियोजनाओं को 5 से 10 वर्ष तक की अवधि में पूरा हो जाना चाहिए। पत्र के अनुसार इससे पता चलता है कि देश भर में सिंचाई परियोजनाओं की क्या स्थिति है। नहरों से सिंचाई के क्षेत्र में कमजोर प्रगति के लिए सिंचाई क्षमताओं की निर्मित क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल न हो पाना भी एक वजह बनता है। नौवीं पंचवर्षीय योजना (1997-2002) के बीच संभावित निर्मित और संभावित इस्तेमाल के बीच का अंतर 25 फीसदी था और 10वीं योजना (2002-07) के बीच यह बढ़कर 36 फीसदी हो गया। 11वीं योजना (2007-12) के दौरान यह घटकर 21 फीसदी रहा। जबकि 11वीं योजना की अवधि में बड़ी और मझोली सिंचाई परियोजनाओं पर 17,447.3 करोड़ रुपये की राशि व्यय की गई। आंकड़ों में कहीं यह नजर नहीं आया कि नहरों से सिंचाई क्षमता का विस्तार हुआ हो। हमें राज्यवार आंकड़ों पर नजर डालनी चाहिए क्योंकि सभी राज्य एक समान रुझान का पालन नहीं करते। आंध्र प्रदेश ने वर्ष 1992-93 से 2011-12 तक हर वर्ष सिंचाई पर 3,537 करोड़ रुपये खर्च किए जबकि इस दौरान नहर से सिंचाई के रकबे में कोई इजाफा नहीं हुआ। वर्ष 1992-93 से 2004-05 के बीच महाराष्ट्र ने नहर सिंचाई क्षमता विस्तार में शीर्ष स्थान हासिल किया। उसके बाद से सालाना 6,669 करोड़ रुपये खर्च किए जाने के बाद भी नहर सिंचाई का रकबा 10.80 लाख हेक्टेयर के इर्दगिर्द थमा रहा। मध्य प्रदेश और बिहार में इसमें 3.5 फीसदी की गिरावट देखने को मिली लेकिन अन्य बड़े राज्यों में यह गिरावट 10 से 65 फीसदी के बीच रही। झारखंड नहर सिंचाई के क्षेत्र में 65 फीसदी की गिरावट के साथ सबसे ऊपर रहा। हिमाचल प्रदेश 42 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर और तमिलनाडु 23 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर रहा। मात्र 6.82 लाख हेक्टेयर के साथ उत्तर प्रदेश में नहर सिंचाई क्षेत्र में अत्यधिक गिरावट देखने को मिली जबकि उसने 1992-93 से 2013-14 के बीच उसने सिंचाई परियोजनाओं पर सालाना 921 करोड़ रुपये व्यय किए। पश्चिम बंगाल में नहर सिंचाई का रकबा वर्ष 1992-93 से 2003-04 के बीच 6.2 फीसदी घटा। जबकि मौजूदा दर पर सालाना पूंजीगत व्यय 86.49 करोड़ रुपये रहा। वर्ष 2003-04 के बाद राज्य में नहर सिंचाई के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। दूसरी ओर, कर्नाटक, गुजरात, राजस्थान तथा जम्मू कश्मीर में सन 1992-93 से 2013-14 के बीच नहर सिंचाई के रकबे में 30 फीसदी से अधिक का इजाफा हुआ। छत्तीसगढ़ में यह बढ़ोतरी 29 फीसदी और असम में 11 फीसदी रही। नहर सिंचाई के रकबे में आ रही गिरावट भूजल के इस्तेमाल पर दबाव बढ़ा रही है। इससे अलग तरह की समस्याएं उत्पन्न होती हैं। कुल सिंचित रकबे में नहर सिंचाई की हिस्सेदारी सन 1984-85 के 37.5 फीसदी से घटकर 2014-15 में 23.43 फीसदी रह गई। नहर सिंचाई के कमजोर प्रदर्शन की एक और वजह जल बहाव की गति में कमी भी है। इसके चलते किसान भूजल सिंचाई को अपना रहे हैं। नहरों का रखरखाव खराब होना भी इसके लिए जिम्मेदार है। अधिक पानी के इस्तेमाल वाली फसलों की खेती भी भूजल दोहन के लिए जिम्मेदार है। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की शुरुआत की गई। इसका लक्ष्य है मझोली और बड़ी सिंचाई परियोजनाओं के कमजोर प्रदर्शन की समस्या को दूर करना और नहर सिंचाई की व्यवस्था को दुरुस्त करना। इसके तहत सिंचाई परियोजनाओं में सार्वजनिक निवेश में आमूलचूल बदलाव लाना है ताकि संभावित क्षमता और इस्तेमाल के बीच के अंतर को पूरा किया जा सके और अधूरी परियोजनाओं को तेज गति से पूरा किया जा सके। उम्मीद है कि सार्वजनिक सिंचाई को लेकर रुख में यह बदलाव हमें मध्यम और बड़ी सिंचाई परियोजनाओं में किए जा रहे निवेश पर सही प्रतिफल प्रदान करेगा।

(रमेश चंद नीति आयोग के सदस्य हैं। शांभवी शरण युवा पेशेवर हैं। लेख में प्रस्तुत विचार उसके निजी हैं।)

विचार मंथन

एक नई लग्जरी कार का बाजार में उतरना

महेंद्र राजा जैन, वरिष्ठ हिंदी लेखक

रोल्स रॉयस की छवि अभी तक शोफर द्वारा चलाई जाने वाली संपन्न लोगों की लग्जरी कार के रूप में रही है। अपनी इस छवि से छुटकारा पाने के लिए उसने पिछले तीन वर्षों से प्रतीक्षित अब जो एक नया मॉडल निकाला है, वह प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नवधनाढ्यों और उनके वयस्क बच्चों के लिए है। पर इसकी कीमत दो लाख पचास हजार पौंड (लगभग दो करोड़ 40 लाख रुपये) देखकर समझा जा सकता है कि कौन लोग यह कार लेना पसंद करेंगे? रोल्स रॉयस की इस नई कार का नाम दुनिया के सबसे बड़े और अत्यंत ही दुर्लभ कच्चे हीरे 'क्लीनन' के नाम पर रखा गया है। अत्यंत ही दुर्लभ 3106 कैरट वाला यह हीरा दक्षिण अफ्रीका की एक खदान में 1905 में पाया गया था। कार का नाम इस हीरे के समान चरम वैभव का प्रतीक है। रोल्स रॉयस ने पहली बार अपना लक्ष्य ऐसे युवाओं पर रखा है, जिनके पास अकूत संपदा है और जो अपनी पसंद की चीज पर अधिक से अधिक खर्च करने में नहीं हिचकिचाते। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ऐसे अधिकांश लोग अपने करियर में सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं और निश्चित रूप से रोल्स रॉयस चाहते हैं। इस कार की खासियत यही है कि इसमें विलासिता की हर सुविधा मौजूद है। यहां तक कि इसकी सीटों में ही मालिश के उपकरण भी लगे हैं। लगभग सारी सुविधाएं ऑटोमेटिक हैं। स्वाभाविक ही कलिनन शोफर द्वारा ही चलाई जाएगी। अत- रोल्स रॉयस ने पिछली सीटों को अधिक से अधिक आरामदायक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। 150 मील प्रति घंटे रफ्तार वाली यह कार 4-5 सेकंड के अंदर 0.62 मील प्रति घंटे के रफ्तार पकड़ लेगी। 5.3 मीटर लंबी और 2.1 मीटर चौड़ी यह कार पांच लीटर पेट्रोल में 19 मील चलती है। इंजन, सस्पेंसन और गीयर बॉक्स को रेत, बर्फ, बरसात और ऊबड़-खाबड़ सभी प्रकार की सड़कों के अनुसार एक बटन दबाते ही सेट किया जा सकता है। आधा मीटर पानी भरी सड़क पर भी यह कार बिना आपके कीमती इटालियन जूते खराब किए आसानी से चल सकती है, यानी इसमें 'एवरिव्हेयर मोड' लगाया गया है। कार में चार कैमरे लगे हैं और कांच की छत है, जिनसे बाहर के दृश्यों का आनंद लिया जा सकता है। कारों के मामले में इसे विलासिता का उत्कर्ष कहा जा सकता है। वैसे रोल्स रॉयस ने इसे ऐसी 'वीक एंड' कार बतलाया है, लेकिन इसका उपयोग प्रतिदिन किया जा सकता है। इस कार की कीमत अधिकांश धनपतियों की पहुंच से बाहर ही कही जा सकती है।

1980 से 1996 के बीच यूरोपीय देशों में जन्मे ऐसे अधिकांश लोग 30 वर्ष की उम्र तक किराए के मकानों में रहते हैं, भले ही किराया लाखों रुपये महीना हो। ब्रिटिश अखबार 'इंडिपेंडेंट' के एक सर्वे के अनुसार लंदन में रहने वाले सभी वर्गों के सभी उम्र के अतिधनाढ्य लोगों की पहली आवश्यकता मकान लेने की होती है। आज धनपतियों के बेटों को अपने पिता की अपेक्षा अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बहरहाल, कलिनन उन नवधनाढ्य के गैरेजों में पहुंचाने लगी हैं, जिन्होंने उसे लांच किए जाने के पहले ही बुकिंग करा ली थी। जहां तक भारतीयों की बात है, अभिनी सोहन पहली भारतीय ग्राहक हैं, जिन्होंने यह कार बुक कराई है। दुबई में एरीज ग्रुप के संस्थापक सोहन राय ने यह कार अपनी शादी की 25 वीं वर्षगांठ पर अपनी पत्नी को देने के लिए पसंद की थी। रोल्स रॉयस की सभी कारें ऑर्डर देकर ग्राहकों की आवश्यकतानुसार विशेष रूप से तैयार कराई जाती हैं। अत- उनके तैयार होने में काफी समय लग जाता है। कोई भी कार स्टॉक से नहीं खरीदी जा सकती, वस्तुत- स्टॉक होता ही नहीं। रोल्स रॉयस को विश्वास है कि कुछ अन्य देशों के समान भारतीय बाजार में भी यह कार सफल रहेगी। हालांकि रोल्स रॉयस सीरीज की कारें में कलिनन सबसे मंहगी कार नहीं है। लग्जरी कार के बारे में यह माना जाता है कि वे बाजार या उपभोक्ताओं की किसी जरूरत को पूरा करने के लिए नहीं बनाई जातीं, बल्कि कुछ लोगों की शान बढ़ाने का एक साधन भर होती हैं। इस छोटे से बाजार की कमाई बहुत मोटी होती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

संक्षिप्त

अतिरिक्त प्रभार हटा, बघौली के बने बीडीओ

संतकबीर नगर, सीडीओ हाकिम सिंह ने शासकीय कार्यों के क्रियान्वयन को और बेहतर बनाने के लिए दो फेरबदल किए हैं। नाथनगर ब्लाक के बीडीओ प्रवीण कुमार शुक्ल जिनके पास बघौली का अतिरिक्त प्रभार था, इन्हें बघौली का बीडीओ बना दिया गया है। जबकि पौली ब्लाक के बीडीओ दीपक कुमार सिंह को नाथनगर का अतिरिक्त प्रभार दे दिया गया है। सीडीओ ने यह जानकारी दी है।

मार्ग दुर्घटना में लेखपाल की मौत

अयोध्या (फैजाबाद), स्थानीय कोतवाली क्षेत्रांतर्गत लखनऊ-गोरखपुर हाईवे पर नारायण ढाबा के करीब अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। बाइक सवार की मौत नंदकुमार तिवारी के रूप में हुई है। तिवारी लेखपाल थे और इन दिनों उनकी तैनाती गोंडा जिला के तरबगंज तहसील क्षेत्र के ग्राम लोलपुर एवं इस्माइलपुर में थी। तिवारी इसी तहसील क्षेत्र के ही रहने वाले थे।

दो कोटेदारों पर दर्ज होगा मुकदमा

गोंडा, आधार नंबर की फीडिंग में हेराफेरी करने के आरोपी नगर क्षेत्र के दो आरोपियों पर मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया गया है। जिला पूर्ति अधिकारी बहादुर सिंह ने बताया कि नगर क्षेत्र के कोटेदार शाहजहां खातून व कमलेश नेवटिया ने अपने परिवार वालों का आधार नंबर दूसरे कार्ड में दर्ज कर हेराफेरी की है। बताया जाता है कि कोटेदार शाहजहां खातून के पुत्र के आधार नंबर का 100 बार दूसरे कार्ड में प्रयोग किया गया है। जबकि कोटेदार कमलेश नेवटिया के भाई के आधार का नंबर 105 बार अलग-अलग कार्डों में प्रयोग किया गया है। डीएसओ ने बताया कि मुकदमा दर्ज कराने के लिए डीएम की अनुमति मिल गई है। नगर कोतवाली में तहरीर दी जाएगी।

चोरों ने ३ दुकानों को खंगाला

संतकबीर नगर, बखिरा थाना क्षेत्र के ग्राम गोइठहां में रात में चोरों द्वारा ताबड़तोड़ तीन दुकानों में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। सुबह दुकानों का ताला टूटा मिलने पर चौराहे पर लोग सकते में पड़ गए। पीड़ितों ने पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। गोइठहा चौराहे पर टेंट हाउस की दुकान चलाने वाले जगदीश पुत्र तपेश्वर ने बताया कि वह दुकान को बंद करके सोने चले गए थे। सुबह दुकान पर आने पर बर्तन आदि गायब मिले। इसी प्रकार उमेश पुत्र त्रिभुवन यादव ने बताया कि उसके चाय की दुकान के काउंटर में रखे छह हजार नकदी चोरों द्वारा गायब कर दिए गए। चोरों ने सर्राफा की एक दुकान से भी हजारों के सामान गायब किए। सूचना मिलने पर बखिरा और सांथा चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। इस बारे में थानाध्यक्ष सदानंद सिंह ने बताया कि पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा करेगी।

दीवार में दबने से बालक की मौत

देवरिया, स्थानीय गांव में बुधवार की रात एक दीवार गिर गई। जिसमें एक बालक की दबने से मौके पर ही मौत हो गई। बालक घर का इकलौता चिराग था। मौत की सूचना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। गांव के अलीमुल्लाह का इकलौता (१०) बेटा मनौव्वर अपने दोस्तों के साथ बुधवार की रात खेल रहा था। खेलते वक्त पड़ोस के एक व्यक्ति की चहारदीवारी गिर गई और उसी के मलबे में मनौव्वर दब गया। इसकी भनक लोगों को बहुत देर से लगी, तब तक मनौव्वर की मौत हो चुकी थी।

घाघरा उफान पर गंगा ने भी पकड़ी रफ्तार

बलिया, जनपद में गंगा व घाघरा के जलस्तर में एक साथ बढ़ाव होने से तटवर्ती इलाकों के लोगों में दहशत फैल गई है। गंगा की रफ्तार जहां धीमी है वहीं घाघरा के जलस्तर में तेजी से बढ़ाव होने लगा है। इससे जयप्रकाश नगर के बीएसटी बांध व रेवती ब्लाक के टीएस बंधा पर दबाव बनने लगा है। बैरिया के चांददियर गांव में भी घाघरा का पानी प्रवेश करने लगा है। घाघरा का पेटा भरने से अभी के समय में कटान तो कम हो गया है किंतु अब बाढ़ के हालात तेजी से बनते जा रहे है। रेवती टीएस बंधे के उत्तर फ्लड एरिया में बसे नवकागांव, धूपनाथ व बैजनाथ के डेरा में कई परिवार बाढ़ के पानी से घिर गए हैं। यहीं हाल बैरिया के चांददियर का भी है। इसके बावजूद भी सरकारी तौर पर अभी भयंकर बाढ़ का इंतजार किया जा रहा है।

पानी में डूब रहे ४ बच्चों को युवकों ने बचाया

देवरिया, देवरहा बाबा आश्रम पर जा रहे चार बच्चे पानी में डूबने लगे। कुछ युवकों ने अथक प्रयास के बाद उन चारों बच्चों को बचा लिया। युवकों के इस सराहनीय कार्य का हर कोई प्रशंसा कर रहा है। मईल स्थित देवरहा बाबा आश्रम इन दिनों चारों तरफ से नदी के पानी से घिरा हुआ है। आश्रम पर कुछ दिनों पूर्व प्रशासन द्वारा नाव की व्यवस्था कराई गई थी, लेकिन नाव वापस लिये जाने के कारण इस समय आश्रम आने जाने वाले श्रद्धालुओं को पानी के बीच से होकर जाना पड़ रहा है। बुधवार को दिन में प्रिंस पुत्र राजकुमार (९), शिवम (१०) पुत्र रजनीश, पंकज (१३) पुत्र राजकुमार गुप्ता निवासी नरियांव और दीपराज (१४) निवासी बकुची आश्रम पर जा रहे थे, अभी वह कुछ ही दूर चले थे कि पानी की धार में बहने लगे। यह देख मंतोष ,रामहरेश, तारकेश्वर, राजन, नौशाद आदि युवकों ने पानी में छलांग लगा दिया और चारों बच्चों को अथक प्रयास के बाद बचा लिया।

सड़क का स्थलीय निरीक्षण किया

गाजीपुर, जिलाधिकारी के बालाजी ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत तीन माह पूर्व तीन करोड़ ७४ लाख से बनी नौ किमी लम्बी मरदह-पृथ्वीपुर सड़क का स्थलीय निरीक्षण किया। सड़क के कुछ स्थानों पर टूटने के बाबत वहां मौजूद विभाग के जेई से पूछताछ किए। जेई चंद्रसेन सिंह एवं राहुल राय ने बताया कि मरदह से पृथ्वीपुर तक निर्मित सड़क में सात किमी तक वेस्ट प्लास्टिक टेक्नोलाजी और दो किमी कोल्ड मिक्स टेक्नोलाजी से सड़क निर्मित की गयी है। कोल्ड मिक्स टेक्नोलाजी से निर्माण कार्य जिले में प्रथम बार इस मार्ग पर प्रयोग के रूप में किया गया है। इस कोल्ड मिक्स टेक्नोलाजी के तहत निर्मित दो किमी सड़क पिच के जगह इमलसन का प्रयोग किया गया है।

पत्र लिखकर कुछ गलत नहीं किया–सूर्य कुमार शुक्ला

इलाहाबाद, महानिदेशक होमगार्ड्स सूर्य कुमार शुक्ला ने कहा कि रिटायरमेंट के बाद कोई घर बैठ जाता है, कोई प्राइवेट नौकरी करता है, कोई एनजीओ चलाता है, ऐसे में मैंने भी गोपनीय बातचीत के बाद पत्र लिखा। पत्र को रिटायरमेंट के बाद जारी होना था, किसी ने लीक कर दिया। इसमें कुछ गलत नहीं है। समाज सेवा का हक सबको है, ये मेरा फैसला है कि मैं किस रूप में काम करता हूं। सूर्य कुमार शुक्ला ने बुधवार को पुलिस लाइन सभागार में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम लिखे गए अपने पत्र को लेकर सफाई दी। कहा कि अब एक सितंबर के बाद मैं अपने पत्ते खोलूंगा। जबरन इस मामले को तूल दिया गया। बताया कि सरकार और विभागीय बातचीत के बाद तय हुआ है कि मैं एक सितंबर तक इस मुद्दे पर कुछ न कहूं, इसलिए एक सितंबर का इंतजार करें। इलाहाबाद में होमगार्ड भर्ती में घोटाले के सवाल पर उन्होंने बताया कि पूरी पारदर्शिता से काम हुआ है। जिस पत्र की बात की जा रही है वह सामान्य प्रक्रिया के तहत भेजा जाता है। कहीं कोई घोटाला नहीं हुआ है, बल्कि प्रदेश सरकार ने होमगार्डों का भविष्य सुधारा है। मौजूदा समय में 90 हजार होमगार्ड काम कर रहे हैं। पहले तैनाती के लिए रुपए देने की बात होती थी, अब तैनाती के लिए अफसर गुहार लगाते हैं क्योंकि ड्यूटी ज्यादा मिल रही है। प्रदेश के थानों, डायल-100 और यातायात पुलिस के बीच सबसे ज्यादा होमगार्ड काम कर रहे हैं। सूर्य कुमार ने कुंभ में सेवा करने की अपनी इच्छा भी जताई। कहा मौका मिला तो कुंभ में जरूर काम करूंगा।

पीड़ित परिवार को दिया ५ लाख का चेक

आजमगढ़, मेहनाजपुर क्षेत्र के लालमऊ गांव में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ पांडेय ने बुधवार को मृत युवक राहुल उर्फ गोलू की मां को ५ लाख का चेक दिया। बताते हैं कि राहुल सिंह उर्फ गोलू पुत्र शिव शंकर सिंह की हत्या नौ जून को अनौनी बाजार स्थित थाना खानपुर जनपद गाजीपुर में हुई थी। राहुल अपने माता-पिता की अकेली संतान था। राहुल की हत्या के बाद पूरा परिवार आर्थिक संकट से जूझने लगा। इसे गंभीरता से लेते हुए भाजपा नेता अखिलेश मिश्र उर्फ गुड्डू, जिला सहकारी बैंक के उपाध्यक्ष उदय सिंह व अशोक सिंह ने इस मामले को प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ पांडेय से मिलकर गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि गाजीपुर जनपद में हुई हत्या के मामले की जांच गाजीपुर पुलिस द्वारा किया गया। उसे स्थानांतरित कर आजमगढ़ जनपद में लाने की मांग की तथा मृत युवक के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की मांग भी की थी।

उसी परिप्रेक्ष्य में प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ पांडेय ने मृत युवक की मां नीलम सिंह को प्रदेश सरकार की तरफ से पांच लाख का चेक प्रदान किया। इस मौके पर जिलाधिकारी शिवाकांत द्विवेदी, एसडीएम लालगंज अरुण कुमार सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष, जयनाथ सिंह, अशोक सिंह, प्रेमप्रकाश सिंह, चंद्रपाल सिंह, शिवाजी सिंह, वीरेंद्र सिंह आदि रहे।

सई नदी पर धीरदास पुल टूटने से आवागमन बाधित

महराजगंज (जौनपुर), सई नदी पर बना धीरदास पुल सुजानगंज की तरफ टूट गया है। टूटे पुल से आवागमन रोके जाने के

बाद भी तमाम लोग वाहनों को लेकर गुजर रहे हैं, जिससे किसी भी दिन गंभीर हादसा हो सकता है। पुल की दशा बीते एक वर्ष से खराब है, जिसकी चिंता किसी को नहीं है। गोरखपुर-इलाहाबाद मार्ग के सुजानगंज क्षेत्र के सई नदी पर बना धीरदास पुल का हिस्सा एक तरफ से टूट गया है। तीस वर्ष पूर्व बने इस पुल की स्थिति बीते एक वर्ष से बहुत खराब है। खतरे को भांपते हुए आने-जाने वाले लोग भी डरते हैं, लेकिन नजदीक पड़ने की वजह से अधिकतर लोग इसी रास्ते का प्रयोग करते हैं। वर्षों से इस पुल की कभी मरम्मत नहीं की गई। पीडब्ल्यूडी की ओर से मार्ग को डायवर्ट करते हुए वाहनों को महराजगंज से तेजीबाजार कंधीपुल होते हुए बरईपार से सुजानगंज होकर इलाहाबाद भेजने की व्यवस्था की गई है, बावजूद इसके कुछ लोग मानने को तैयार नहीं हैं। पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता एमके ओझा ने बताया कि पुल टूटने की सूचना ब्रिज कारपोरेशन को दे दी गई है। उन्होंने जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद जताई।

समाज को बिखरने नहीं देंगे–अंबरीश

अंबेडकरनगर, अयोध्या में राम जन्म भूमि पर भव्य राम मंदिर का निर्माण होगा। इसके अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। उक्त बातें विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय मंत्री अंबरीश ने कहीं। वह नगर के फैजाबाद मार्ग स्थित जिलाध्यक्ष प्रदीप के आवास पर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहाकि हिंदू समाज को तोड़ने की साजिश लगातार चल रही है। जो साफ दिखाई पड़ रहा है। समाज को जातियों में बंट कर उनकी एकता को कमजोर किया जा रहा है। विहिप समाज में लोगों के बीच बनी खाई को पाटेगा। जिलाध्यक्ष ने कहाकि विहिप हिंदू समाज को किसी भी दशा में बिखरने नहीं देगा। पालिकाध्यक्ष सरिता गुप्ता ने हिंदू समाज को विहिप से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन ओम प्रकाश सिंह ने किया। इस दौरान जिला संयोजक राम आशीष मिश्र, बृजेश सिंह, मोहन शास्त्री, जय बहादुर सिंह, शिवम, सुरेश गुप्ता, अनिल चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

सांसद निधि के कार्यों में सुस्ती पर भड़के श्यामाचरण

इलाहाबाद, सांसद निधि से होने वाले कार्यों में सुस्ती पर श्यामाचरण गुप्त ने फिर से नाराजगी व्यक्त की। संगम सभागार में बुधवार को हुई सांसद निधि योजना बैठक की अध्यक्षता कर रहे सांसद ने कहा कि कार्यों में पादर्शिता व तेजी का अभाव है। इसके चलते जनता को योजनाओं का उचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। सांसद श्यामाचरण गुप्त इसके पहले भी अपनी निधि के तहत कराए जा रहे कार्यों में लापरवाही होने पर नाराजगी जता चुके हैं। कहा कि उनकी निधि से होने वाले कार्यों में अपेक्षा के अनुरूप परिणाम नहीं आ रहा है। इसके चलते विकास कार्य अधर में हैं, वहीं निधि पहुंचने में भी विलंब हो रहा है। कार्यदायी संस्थाओं को सख्त

निर्देश दिया कि सांसद निधि द्वारा जो धनराशि आवंटित होती है उसका सही से सदुपयोग किया जाए। जिलाधिकारी सुहास एलवाई से कहा कि सांसद निधि द्वारा जो धनराशि दिया गया है उसको पूरा कराने में जो कार्यदायी संस्था विलंब या लापरवाही करे तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने सांसद निधि से लगे हैंडपम्पों, दिव्यागों को मिली ट्राई साइकिल के बारे में जानकारी ली। ग्राम्य विकास अभिकरण के अधिकारियों ने बताया कि 94 कार्य आवंटित किए गये थे, जिसमें 35 कार्य कों पूरा कर लिया गया है, बचे काम को सितंबर माह तक पूरा करा लिया जाएगा। ग्रामीण अभियंत्रण अभियंता ने बताया कि 111 कार्य आवंटित हुए जिसमें 87 कार्य पूरा कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि सांसद निधि का कार्य समय पर जो संस्था पूरा नहीं करेगी उनका टेंडर निरस्त करके एफआईआर दर्ज कराकर रिकवरी की जाएगी।

ट्रेन के आगे कूद किशोरी ने दी जान

शिवदयालगंज(गोंडा), मनकापुर से अयोध्या जा रही पैसेंजर ट्रेन के सामने किशोर ने कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना के कारणों का पता नहीं चल सका। नवाबगंज थाना क्षेत्र के गांव किशुनदासपुर निवासी राजू सोनी की (१४)पुत्री प्रीती सुबह मनकापुर की तरफ से अयोध्या जा रही ट्रेन के सामने कूद गयी। इस कारण उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस छानबीन कर वापस लौट गई। नवाबगंज थानाध्यक्ष ने बताया शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, मामले की छानबीन की जा रही है।

जहरीले जंतु के काटने से किशोर की मौत

पट्टी (प्रतापगढ़), पट्टी कोतवाली क्षेत्र के डंडवा महोखरी गांव में करन (१७) पुत्र सूरज बिंद की जहरीले जंतु के काटने से मौत हो गई। करन कक्षा 11 में पढ़ता था, वह रात में छत पर सो रहा था। लघुशंका करने के लिए नीचे उतरा और घर के पीछे झाड़ी की ओर गया, जहां उसके पैर में किसी जहरीले जंतु ने काट लिया। उसने इस बात की जानकारी परिजनों को दी तो परिवार के लोग उसे इलाज के लिए जिला मुख्यालय लेकर जा रहे थे। रास्ते में ही उसकी सांसे थम गई।

मां-बेटे पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला, गंभीर

भदैंया (सुल्तानपुर), बेलासदा गांव में बुधवार की रात बरामदे में सो रहे मां-बेटे पर चार नकाबपोश बदमाशों ने धारदार हथियार से प्राणघातक हमला कर दिया। चीखपुकार सुनकर परिवारीजन दौड़े तो हमलावर फरार हो गए। आनन-फानन में घायल मां-बेटे को निकटवर्ती सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। कोतवाली देहात के बेलासदा गांव निवासी श्रीकांत पांडेय उर्फ धुन्नी पांडेय (३९) पुत्र स्व.कमला पांडेय घर के बरामदे में अपनी मां के बगल चारपाई लगाकर सो रहे थे। रात करीब ढाई बजे चार नकाबपोश बदमाश पहुंचे और लोहे की राड व धारदार हथियार लेकर श्रीकांत पांडेय व उनकी माता करमा देवी (६८) पर हमला बोल दिया। जब तक दोनों कुछ समझ पाते बदमाश उन्हें मरणासन्न कर दिए। हल्ला-गुहार सुनकर घर के अंदर सो रही श्रीकांत की पत्नी नीलम पुत्र नितिन व पुत्री निधि दौड़कर वहां पहुंची तब तक बदमाश भाग निकले। नितिन ने

यूपी 100 व कोतवाली पुलिस को फोन से जानकारी दी। देहात कोतवाली पुलिस व यूपी 100 पुलिस मौके पर पहुंची। घायल मां-बेटे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भदैंया में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों को जिला अस्पताल रिफर कर दिया। दोनों की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

अंबर गांव में फैला डायरिया, दो दर्जन बीमार

चकिया (चंदौली), डायरिया की चपेट में आने से अंबर गांव की पासवान बस्ती में दो दर्जन से अधिक लोग मंगलवार की रात बीमार हो गए। आधा दर्जन से अधिक लोगों को संयुक्त चिकित्सालय चकिया में भर्ती कराया गया। बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में उपचार के साथ दवा भी वितरित की। संयुक्त चिकित्यालय में अंबर गांव निवासी डायरिया पीड़ित गुलशन (8), अंजना (4), सावित्री (10), हिना (6), मीना (8), पूजा (22) को भर्ती किया गया। वही गांव में आकाश कुमार (12), बेचू (10), करीना (12), आकांक्षा (5), आंशिका (3), अनूज (1), रक्षा (5), मूरत (65), सुजीत (10), ललिता (16), गोलू (15), अभिषेक (18), अनुष्का (6) माह, अंकिता (3), आंचल (2), बबिता (30), संध्या (10), प्रिति (16), चंचला (22), रानी (5), सुरसती (10), नेहा (20), पूजा (21) को उल्टी दस्त की शिकायत पर चिकित्सकीय टीम ने आवश्यक दवाएं देते हुए डायरियां से निजात पाने की सलाह दी। इन मरीजों के अलावा गांव निवासी ललिता (16), चंदन (18), अभिषेक (15) को उल्टी दस्त की शिकायत पर समीपवर्ती उतरौंत स्थित निजी चिकित्सालय में उपचार चल रहा है। प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. सुजीत सिंह ने बताया गांव की पासवान बस्ती में दो सरकारी हैंडपंप लगे हैं। इसके अलावा कई निजी हैंडपंप हैं। हैंडपंपों के आसपास बावली व प्रदूषित पानी का भंडारण होने से हैंडपंप दूषित पानी दे रहे हैं। आशंका जताई जाती है कि दूषित जल के सेवन से बस्ती के लोग डायरिया सहित संक्रामक बीमारी की गिरफ्त में आए। पानी का सैंपल लेकर जिला मुख्यालय भेजा गया। ग्रामीणों को पानी

उबालकर पीने और ताजा भोजन करने की सलाह दी गई है। गांव में मिले मरीजों की स्थिति सामान्य है। स्वास्थ्य टीम में जयराम, रमन, रामबली, विजयलक्ष्मी, दिलवासा, सुष्मा समेत तमाम स्वास्थ्य कर्मी शामिल थे।

पति-पत्नी के विवाद में चली गई मासूम की जान

कुशीनगर, जनपद के सुसवलिया गांव में बुधवार देर रात पति-पत्नी के विवाद में पत्नी की गोद से एक माह की बच्ची जमीन पर गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना को छिपाने के लिए पति ने आनन-फानन में गांव के बाहर पानी से भरे गड्ढे में शव को मिट्टी से दबा दिया। पत्नी ने 100 नंबर पर फोन कर घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पति को हिरासत में लेकर उसकी निशानदेही पर शव बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपित नशे में धुत था। बताया जाता है कि उक्त गांव निवासी शंभू प्रसाद (४६) मजदूरी कर घर चलाता है। रोज की तरह बुधवार शाम को वह मजदूरी कर वापस घर आया। पति को नशे में धुत देख पत्नी रेखा ने जब इसका विरोध किया तो दोनों की

कहासुनी होने लगी। बताया जा रहा कि रात करीब दस बजे इसी बात को लेकर दोनों के बीच फिर कहासुनी व विवाद होने लगा। इसी बीच रेखा की गोद एक माह की बच्ची अचानक नीचे गिर पड़ी और उसकी मौत हो गई। यह देख शभू घबरा उठा और घटना को छिपाने के लिए उसने आनन-फानन में शव को गांव के बाहर ले जाकर पानी से भरे गढ्ढे में ठिकाने लगा दिया। बच्ची की मां रेखा ने 100 नंबर पर फोन कर इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शभू को हिरासत में ले लिया। बाद में कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। रात में ही पोखरे में बच्ची के शव की तलाश की गई, लेकिन शव नहीं मिला। सुबह शभू को लेकर पोखरे पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने उसकी निशानदेही पर शव बरामद कर लिया। कोतवाल विजय राज सिंह ने कहा कि शव को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दिया गया है। अभी तहरीर नहीं मिली है, तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा।

घर के बाहर सो रहे युवक की चाकू मार कर हत्या

गाजीपुर, भुड़कुड़ा कोतवाली क्षेत्र के जखनिया गांव में देर रात घर के बाहर सो रहे युवक सत्यम (20) की गले में चाकू से वार कर बदमाशों ने हत्या कर दी। बेटे से महज चार कदम सो रहे माता-पिता को इसकी भनक तक नहीं लग सकी। हत्या की जानकारी सुबह पता चलने पर कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस शव के कब्जे में लेकर घटना की जाच-पड़ताल में जुट गई है। वारदात को लेकर ग्रामीण तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। वहीं घटना की वजह को लेकर परिजन असमंजस में हैं। सत्यम के पिता रामअवतार कोतवाली के चौकीदार हैं। वह गांव के बाहर रायपुर मोड़ के पास मकान बनवाकर परिवार संग रहते हैं। उनके पाच पुत्र व चार पुत्रिया में दूसरे नंबर का पुत्र सत्यम बीए द्वितीय वर्ष का छात्र था और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर रहा था। रात भोजन करने के बाद घर के बाहर स्थित नीम के पेड़ के नीचे चारपाई पर सो गया। माता पिता घर के पास बने चबूतरे पर सो गए। भोर चार बजे उठकर रामअवतार भुड़कुड़ा मठ पर आयोजित आरती कार्यक्रम में चले गए। सुबह जब मां सत्यम को जगाने पहुंची तो वह खून से लतपथ

चारपायी पर पड़ा था। यह देखते ही मां की चीख निकल गई। शोर सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जाच-पड़ताल शुरु कर दी। घटना को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। परिजन वारदात की वजह को लेकर मुंह नहीं खोल रहे हैं। वहीं पुलिस वारदात में गांव के ही किसी का हाथ होने की बात कह रही है। मामले को आशनाई से भी जोड़ कर देखा जा रहा है।

चौकसी का असर, आधी हो गई इंसेफ्लाइटिस से मौतें

गोरखपुर, बीते चालीस साल से पूर्वांचल का नासूर बने इंसेफ्लाइटिस को लेकर सरकार की चौकसी का असर साफ दिखने लगा है। पिछले साल की तुलना में मरीजों की भर्ती व मौतों की बात करें तो दोनों की तादाद आधी रह गई है। यदि दो-तीन साल पहले के आंकड़ों से तुलना करें तो इस बार मौतें एक -तिहाई या उससे भी कम रह गई हैं। मरीजों के घटने की तादाद की वजह जानकार जागरूकता को मान रहे हैं, जबकि मौतें कम होने का कारण अस्पतालों की चुस्त व दुरुस्त हुई व्यवस्था को बता रहे हैं। जागरूकता के काम में अफसर से लेकर कर्मचारी शुरू से लगे हैं। चूंकि इंसेफ्लाइटिस से ज्यादातर बच्चे ही प्रभावित होते हैं, लिहाजा स्कूलों पर सर्वाधिक फोकस किया गया। हर स्कूल में एक शिक्षक को स्वास्थ्य शिक्षक बनाया गया। जिम्मेदारी सौंपी गई कि वह प्रार्थना सभा में ही बच्चों को इंसेफ्लाइटिस व दूसरी मच्छर जनित बीमारियों के कारण, लक्षण व बचाव की जानकारी दें। यह काम अनवरत चल भी रहा है। इसके अलावा हर शनिवार को नो बैग डे घोषित किया गया है। इस दिन निर्देश है कि बच्चे शिक्षणेत्तर गतिविधियों में भाग लेंगे। इसी दिन एक घंटे बच्चों को स्वास्थ्य शिक्षा भी दी जा रही है।

ग्राहक सेवा केंद्र पर लाखों का घोटाला, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

सोनभद्र, शाहगंज थाना क्षेत्र के इनम गांव में स्थित इलाहाबाद बैंक से संचालित ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक ने फ्रेंचाइजी बंद होने के बाद भी ग्राहकों से पैसा जमा कराया। इस तरह से करीब दस

दिन में उसने 22 लाख रुपए का घोटाला करके फरार हो गया। जब इसकी जानकारी ग्रामीणों व उपभोक्ताओं को हुई तो वे आक्रोशित हो गए। गुरुवार को दुरावल में स्थित इलाहाबाद बैंक के समक्ष विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले को हल कराने में जुट गई है। उपभोक्ताओं के मुताबिक ग्राहकों को सुविधा देने के लिए इलाहाबाद बैंक दुरावल द्वारा ईनम में ग्राहक सेवा केंद्र खोला गया था। कुछ दिन पहले ही शिकायतों के आधार पर उस केंद्र को बंद कर दिया गया। बावजूद इसके केंद्र संचालक लोगों से पैसे लेकर जमा करता रहा। इस तरह से कई उपभोक्ताओं का पैसा जमा कराया। अब जब वे अपने खाते का स्टेटमेंट चेक कर रहे हैं तो खाते में धन जमा ही नहीं है। तीन दिन पहले संचालक केंद्र को बंद कर फरार हो गया। ग्राहकों ने केंद्र संचालक द्वारा किए गए घोटाले की रकम को वापस दिलाने की मांग की है। इस संबंध में सहायक शाखा प्रबंधक श्याम नारायण विश्वकर्मा ने बताया कि सीएससी को दस दिन पहले ही बंद कर दिया गया था। अभी तक जो जानकारी मिल सकी है उसके मुताबिक करीब 22 लाख रुपए पासबुक में इंट्री की गई है लेकिन वह खाते में जमा नहीं है। केंद्र संचालक द्वारा हाथ से ही पासबुक पर इंट्री की जाती थी। इसको लेकर ग्रामीणों के सामने समस्या उत्पन्न हो गई है।

दोनई घाट पर नाव के असंतुलित हो जाने से बुलेट सई नदी में गिरी

तेजीबाजार(जौनपुर), बक्शा थाना क्षेत्र के अंतर्गत द्रोणीपुर (दोनई) में सई नदी घाट पर बुधवार की देर शाम को राहुल नाव के सहारे अपनी बुलेट गाड़ी को नदी के उस पार ले जा रहा था कि नदी के मध्य में पानी के तेज बहाव के कारण उसकी बुलेट गाड़ी नदी में गिर गई। मिली जानकारी के अनुसार महराजगंज थाना अंतर्गत गुजायरायपुर (गद्दोपुर) निवासी राहुल सरोज बुधवार की शाम को द्रोणीपुर घाट से होकर अपने रिश्तेदार पूर्व प्रधान विक्रमजीत सरोज खपरहां के यहां जा रहा था उक्त घाट के नाव पर बुलेट गाड़ी चढ़ाकर नाव तार के सहारे नाविक विजय अकेले ही लेकर पार करा रहा था परंतु जैसे ही नाव नदी के मध्य भाग में पहुंची पानी के तेज बहाव से नाव असन्तुलित होने लगी तो उक्त व्यक्ति ने गाड़ी को स्टैंड पर खड़ी करके नाव को संभालने चला गया और गाड़ी लुढ़क कर पानी के तेज बहाव में बह गई। देर रात घोरहा गांव से गोताखोर बुलाये गए उनके द्वारा व स्थानीय नाविकों द्वारा अथक प्रयास किया गया लेकिन बुलेट का पता नहीं चल सका, बृहस्पतिवार की सुबह भी लोग प्रयास में लगे रहे किन्तु कोई सफलता नहीं मिली।

जगी उम्मीदें, अब हो जाएगा भुगतान

सुल्तानपुर, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा चीनी मिलों के संचालन और बकाए गन्ना मूल्य के भुगतान के लिए पैकेज देने की घोषणा से जिले के किसानों में उम्मीद बंधी है। करीब साढ़े आठ हजार किसानों का 21 करोड़ 58 लाख रुपए का भुगतान बाकी है। एक पखवारे के अंदर गन्ना मूल्य किसानों को दे दिए जाने के नियम कागजों तक सीमित है। किसानों को अपने ही गन्ने के भुगतान के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता है। जिले में इकलौती सहकारी चीनी मिल है। प्रतिदिन इसकी पेराई क्षमता साढ़े बारह हजार क्विंटल है। नकदी फसल के तौर पर जिले के किसानों के लिए गन्ना उत्पादन लाभकारी है। लिहाजा वे बड़ी मात्रा में गन्ने की खेती करते हैं। पर, ये उनकी बदनसीबी ही है कि उन्हें अपनी फसल बेचने के लिए जिद्दोजहत करना पड़ता है। जर्जर हो चुकी चीनी मिल में कभी तौल को लेकर उनकी शिकायत रही तो कभी वे भुगतान को लेकर आंदोलनरत रहे। कभी चीनी मिल ठप होने के चलते उन्हें नुकसान उठाना पड़ा। फिलहाल, तमाम झंझावातों

के बीच जो किसान गन्ना चीनी मिल को बेचने में कामयाब रहे, उन्हें उसके भुगतान को लेकर लाले पड़ गए। कई बार चीनी मिल गेट पर किसान संगठन, राजनीतिक दल आदि ने भुगतान की मांग को लेकर प्रदर्शन किए। बावजूद इसके कोई समाधान नहीं निकल सका। अब सीएम योगी आदित्यनाथ के ऐलान के बाद किसान आशान्वित हुए हैं कि उन्हें जल्द ही बकाया धनराशि मिल जाएगी। अधिकारियों की मानें तो 858 करोड़ रुपया कोआपरेटिव सेक्टर की चीनी मिलों को दिया गया है। इसमें से 21 करोड़ 58 लाख की धनराशि हफ्तेभर में जिले के किसानों को दिए जाने का दावा वे कर रहे हैं।

नगर में निकली कलश यात्रा

मिर्जापुर, नगर में बुधवार को श्री रामलीला कमेटी बरियाघाट की ओर से कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा जन कल्याण के लिए श्री पंचमुखी महादेव मंदिर पर आयोजित होने वाली श्रीमदभागवत कथा के लिए निकाली गई। पीतवस्त्र धारी महिलाओं ने कलश में गंगा जल लेकर नगर का चक्रमण किया।

सहकर्मी मजाक-मजाक में ले उड़ा 16 लाख रुपए से भरा बैग

मिल मालिक ने तीन के खिलाफ दर्ज करवाई प्राथमिकी

सूरत. एक मिल में काम करने वाले तीन कर्मचारियों में से एक जना मजाक मजाक में दूसरे की मोटरसाइकिल पर रखा सोलह लाख रुपए भरा बैग लेकर फरार हो गया। इस पर मिल मालिक ने तीनों पर साजिश के तहत चोरी की आशंका जताते हुए सलाबतपुरा थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई है। पुलिस के मुताबिक पीपलोद पल्लवी अपार्टमेंट निवासी आशीष पुत्र भरत घोरी की कोसंबा में पेपर मिल है। उनकी फर्म में लेनदेन का काम करने वाले वेड रोड गोकुलधाम अपार्टमेंट निवासी जयेश कानाणी (22) को उन्होंने बुधवार दोपहर कर्मचारियों के लिए रुपए निकालने के लिए बैंक भेजा था। उसने बैंक से १६ लाख रुपए निकलवाए और रुपए बैग में रख दिए और बैग मोटरसाइकिल पर टांग दिया। बाद में वह अपने दो सहकर्मियों अडाजण श्रीजी कॉम्प्लेक्स निवासी ज्ञानरंजन जैना (23) व अडाजण माधव कॉम्पलेक्स निवासी शेख सालुंके (24) के साथ नाश्ता करने के लिए सिंगापुरी वाडी में गया। वहां नाश्ता करने के दौरान ही मजाक मजाक में शेखर मोटरसाइकिल पर रखा रुपए भरा बैग लेकर फरार हो गया। जयेश ने उससे संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन मोबाइल बंद मिला। उसने इस बारे में आशीष को बताया। लेकिन आशीष को जयेश व ज्ञानरंजन की बात गले नहीं उतरी। उसने साजिश के तहत चोरी की आशंका व्यक्त करते हुए तीनों के खिलाफ सलाबतपुरा पुलिस थाने में गुरुवार को प्राथमिकी दर्ज करवाई। पुलिस ने बताया कि जयेश व ज्ञानरंजन को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हालांकि वे शेखर के साथ किसी प्रकार की मिली भगत होने से इनकार कर रहे है।

भटार इलाके में युवक ने लगाई फांसी

सूरत। भटार इलाके में चार संतानों के पिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। खटोदरा पुलिस के अनुसार भटार अंबानगर वकील गली में रहने वाले नरेश कालीदास राठौड़(40 वर्ष) अपने परिवार के साथ रहता था। उसके दो पुत्र और दो पुत्री है। लु स कारखाने में काम करके वह परिवार का भरण पोषण करता था। गत रोज रात्रि के समय नरेश ने छत पर लगी लकड़ी के साथ चादर बांधकर फांसी लगा लिया। पुलिस ने शव को पीएम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया है। पुलिस द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार नरेश पिछले दो दिनों से काम पर नहीं जा रहा था। काम पर न जाने से पति-पत्नी के बीच आये दिन झगड़े होते रहते थे। गत रोज शाम के समय पत्नी ने नरेश से काम पर जाने के लिए कहा, तो दोनों के बीच बहशबाजी हुई। इस बात को लेकर नरेश ने गत रोज रात के समय छत पर लगी लकड़ी के साथ चादर बांधकर गले में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

नानपुरा से लापता हुई 17 वर्षीय किशोर का शव मिला

गला रेत कर की गई हत्या

सूरत. नानपुरा इलाके से बुधवार रात लापता हुए एक सत्रह वर्षीय किशोर का गुरुवार शाम इच्छापोर क्षेत्र से शव बरामद होने पर सनसनी फैल गई। घटना के संबंध में इच्छापोर पुलिस ने मामला दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है। मामले की जांच कर रहे पुलिस निरीक्षक एफ.बी.पठान ने बताया कि नानपुरा हिंजड़ा वाड निवासी सनी पुत्र भरत जोशी (17) बुधवार शाम छह बजे घर से किसी को कुछ बताए बिना निकला था लेकिन फिर लौट कर नहीं आया। परिजनों ने सभी संभावित स्थानों पर उसकी खोज खबर ली लेकिन वह नहीं मिला। इस पर देर रात परिजनों ने अठवालाइन्स पुलिस से संपर्क साधा। पुलिस ने सनी के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। इस बीच गुरुवार शाम पुलिस कंट्रोल रूम को इच्छापोर थानाक्षेत्र के भाठा गांव में चीकूवाड़ी के निकट एक खेत में उसका शव बरामद हुआ। उसके गले पर किसी धारदार हथियार से वार का निशान था। शव की शिनाख्त के बाद पुलिस ने उसे पोस्टमार्टम के लिए न्यू सिविल अस्पताल भिजवा दिया। पुलिस ने बताया कि हमलावरों का कोई ठोस सुराग नहीं मिल पाया है। सनी की किसी से रंजिश थी या नहीं इस बारे में भी परिजनों से विस्तृत पूछताछ नहीं हो पाई है। मामले की जांच जारी है।

पुलिस ने बताया कि सनी एक बैंड चलाता था। रात नौ बजे उसकी माता की उससे मोबाइल पर बात चीत हुई थी। बातचीत में उसने सिर्फ इतना बताया था कि वह जल्द ही घर लौट आएगा। लेकिन वह नहीं लौटा।

बुजुर्ग, सीनियर सीटिजन्स को घर बैठे सेवा मिलेगी

शहर की ३० से ज्यादा पोस्ट ऑफिस में बैंक सेवा का प्रारंभ

चेकबुक, एटीएम सेवा फ्री, पोस्टमैन अपने क्षेत्र में खाता खोलकर देगा: पोस्ट में भी बैंक जैसी सेवा उपलब्ध होगी

अहमदाबाद । अहमदाबाद शहर की ३० से ज्यादा पोस्ट ऑफिस १ सितम्बर से इंडिया पोस्ट पेमेन्ट बैंक (आईपीपीबी) बन जाएगी । जिसकी वजह से अब शहर की ३० से ज्यादा पोस्ट ऑफिस में बैंक सेवा सभी और तुरंत लोगों को उपलब्ध होगा। जिसमें विशेष करके बुजुर्ग लोग और सीनियर सीटिजन्स को घर बैठे सेवा मिलेगी, पोस्टमैन उनके क्षेत्र में ही नागरिकों को पोस्ट बैंक जैसी सेविंग्स अकाउन्ट खोलकर देगी।

शहर में नवरंगपुरा मेइन जीपीओ मणिनगर, बोपल, नारणपुरा, आंबावाडी सहित की ३० से ज्यादा पोस्ट ऑफिस के लिए आईपीपीबी के लिए लॉन्चिंग मुख्यमंत्री विजय रुपाणी द्वारा शनिवार को किया जाएगा। अहमदाबाद शहर में मुख्य पोस्ट ऑफिस सहित कई सब ऑफिस की भी बैंकिंग सिस्टम के लिए पसंदगी की गई है । शुरूआत में शहर में ३० से ज्यादा पोस्ट ऑफिस में बैंकिंग शुरू की जायेगी । इसके बाद क्रमशः चरणबद्ध इसका विस्तार किया जाएगा । इस मामले में नवरंगपुरा पोस्ट ऑफिस के पोस्ट मास्टर अल्पेश शाह के बताये अनुसार बैंकिंग और ई पेमेन्ट सहित की सेवाएं पोस्ट ऑफिस में शुरू की जाएगी। अब से नागरिकों को पोस्ट ऑफिस खाता धारकों को पोस्ट ऑफिस में एसएस. बैंकिंग, आरटीजीएस, साईएनपीएस, इकेवायसी, डीजिटल अकाउन्टस आदि सभी सेवाएं मामूली दर से मिलेगी। पोस्टमैन अपने क्षेत्र में सेविंग बैंक अकाउन्ट खोलकर देगी इतना ही नहीं बुजुर्ग और कमजोर नागरिकों को घर बैठे बैंक की सभी सुविधा मिलेगी । पोस्ट ऑफिस में सेविंग खाता खुलवाने वाले खाता धारकों को एटीएम और चेकबुक की सेवा के लिए एक भी रुपया नहीं चुकाना पड़ेगा । पोस्ट ऑफिस में भी अब बैंकिंग सेवा का प्रारंभ होने पर नागरिकों को आसानी और अनुकूलता होगी।

अभिनंदन मार्केट में पार्टी पलायन की चर्चा से व्यापारी परेशान

व्यापारियों के लाख रुपए फसे, चार दिनों से लापता व्यापारी को ढूंढने में लगे व्यापारी

सूरत। कपड़ा बाजार में सालासर गेट के पास की एक मार्केट से साड़ी के एक व्यापारी ने बड़ी रकम में पलायन किए होने की चर्चा गुरुवार को बाजार में रही। सोशल मीडिया में फैली इस चर्चा के कारण व्यापारियों में चिंता का माहौल रहा। चर्चा के अनुसार पलायन करने वाले व्यापारी के पास लेनदारों के लाखो रुपए फंस गए हैं।

कपड़ा मार्केट के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अभिनंदन मार्केट में पिछले कुछ महीनों से व्यापार करने वाला हिन्दी भाषी व्यापारी चार दिनों से लापता होने के कारण लेनदारों को उसके पलायन की आशंका हुई। लेनदारों ने

उसके फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन बंद आ रहा था। मोबाइल फोन लगातार दो दिन तक बंद होने के कारण लेनदारो ने आसपास के व्यापारियों का संपर्क किया तो उसके पलायन होने की आशंका और मजबूत हो गई। बताया जा रहा है कि पलायन करने वाला व्यापारी फैन्सी साडियों का व्यापार करता था। इसके पास पचास से अधिक व्यापारियों के 40 लाख रुपए से अधिक की राशि फंस गई है। लेनदारो ने इस सिलसिले में फोस्टा का भी संपर्क कर रुपए दिलाने की गुहार लगाई। बताया जा रहा है कि इसी मार्केट में से एक सप्ताह में तीन और पूरे माह में छह पार्टियां पलायन कर चुकी है लेकिन व्यापारियों की ओर से शिकायत नहीं किए जाने के कारण बात बाहर नहीं आई। यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि मार्केट प्रबंधन से किराए की दुकानदारों की जानकारी मांगने पर नहीं दिया गया। सोशल मीडिया पर जिस तरह से यह मैसेज वायरल हुआ वैसे वैसे लेनदारों की भीड़ मार्केट एसोसिएशन के बाहर जमने लगी और लोगों ने मार्केट प्रबंधन से जुड़े लोगों से संपर्क करने का प्रयास शुरू कर दिया। हालाकि किसी को स्पष्ट जवाब नहीं मिला। फोस्टा के प्रमुख मनोज अग्रवाल ने बताया कि अभिनंदन मार्केट से एक सप्ताह में तीन और एक महीने में छह पार्टियां उठ गई है। कुछ लेनदारों ने फोस्टा से संपर्क करने का प्रयास किया है। गुरुवार को भी दो एम्ब्रॉयडरी उद्यमियों ने फोस्टा का संपर्क किया था। उन्हें पुलिस में शिकायत करने के लिए कहा गया।

पूर्व मुख्यमंत्री श्री केशुभाई पटेल के पुत्र के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक

राजकोट। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल के पुत्र जगदीशभाई पटेल के दुःखद निधन का समाचार मिलने पर मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गुरुवार को राजकोट के मारुति नगर स्थित उनके निवास स्थान पहुंचकर गहरा दुःख व्यक्त किया और केशुभाई पटेल एवं परिवारजनों को सांत्वना दी। इस अवसर पर परिवार की ओर से आयोजित शांति यज्ञ में भी मुख्यमंत्री शामिल हुए। प्रदेश भाजपा नेता नितिनभाई भारद्वाज, गुजरात यु. फाइनेंस बोर्ड के चेयरमैन धनसुखभाई भंडेरी, राजकोट शहर भाजपा अध्यक्ष कमलेशभाई मीराणी, प्रदेश भाजपा प्रवक्ता राजुभाई ध्रुव, केशुभाई पटेल के पुत्र भरतभाई, अशोकभाई और महेशभाई एवं पुत्री सोनलबेन, दामाद डॉ. मयुरभाई देसाई, स्व. जगदीशभाई की धर्मपत्नी वीणाबेन, पुत्र निनादभाई एवं पुत्री निसर्गीबेन सहित कई अन्य महानुभाव इस अवसर पर उपस्थित थे।

करंट लगने से मौत मामले में बिजली कंपनी को 21.69 लाख चुकाने का कोर्ट का आदेश

वर्ष 2006 में हीरा दलाल की करंट लगने से हुई थी मौत

सूरत. कामरेज के कठोर में छत पर पानी की टंकी के लेवल की जांच करते वक्त करंट लगने से हुई कतारगाम के हीरा दलाल की मौत के मामले में कोर्ट ने मृतक के परिजनों की याचिका मंजूर करते हुए 21.69 लाख रुपए 9 फीसदी ब्याज के साथ चुकाने का बिजली कंपनी को आदेश दिया।

कतारगाम की संत जलाराम सोसायटी निवासी हीरा दलाल अश्विन तुलसी गोयाणी 22 मई, 2006 में कठोर की रंगोली हॉटेल की छत पर पानी की टंकी की जांच करने के लिए गया था, तभी टंकी के ऊपर से गुजरने वाले हाइ वॉल्टेज तार के संपर्क में आने से करंट लगने से अश्विन की मौत हो गई थी। हादसे के बाद अश्विन की पत्नी सुधा और बच्चों ने दक्षिण गुजरात बिजली कंपनी और गुजरात इलेक्ट्रीसिटी बोर्ड के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर कर 25 लाख रुपए के मुआवजे के लिए गुहार लगाई। अंतिम सुनवाई के बाद गुरुवार को कोर्ट ने याचिका मंजूर कर ली और हादसे के लिए बिजली कंपनी की लापरवाही को जिम्मेदार मानते हुए 21.69 लाख रुपए याचिका दायर करने की तारीख से 9 फीसदी ब्याज के साथ चुकाने का आदेश दिया।

आंगडिया पीढ़ी का मैनेजर ही १.१३ करोड़ रुपये लेकर फरार

अहमदाबाद। शहर के रतनपोल में आंगडियापीढ़ी में से कुल १.१३ करोड़ रुपये का घोटाला करके फरार हो जाने की घटना सामने आने पर अहमदाबाद शहर सहित राज्यभर की आंगडियापीढ़ी जगत में भारी सनसनी मच गई है । अक्सर आंगडियापीढ़ी के कर्मचारियों द्वारा विभिन्न आंगडियापीढ़ी के समाचार सामने आते रहे हैं तब इसमें और एक शामिल हो गया है। रतनपोल की मेसर्स प्रवीणभाई इश्वरभाई पटेल की आंगडियापीढ़ी के मैनेजर द्वारा ही ८१.६१ लाख रुपये की नकद भरा अलग-अलग ५० पार्सल, २३.४० लाख रुपये के सोने की पार्सल और ७.५० लाख रुपये की नकद मिलाकर कुल १.१३ करोड़ रुपये का घोटाला करके फरार हो जाने पर इस मामले में कालुपूर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करायी गई है। मामले की गंभीरता को ध्यान में लेकर कालुपूर पुलिस और क्राइमब्रांच ने आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए खोज बीन शुरू कर दी है । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, मेहसाणा जिला के वीसनगर में जीवराजपार्क सोसाइटी में रहते बलदेवभाई रबारी की रतनपोल में दूधीया बिल्डिंग में मेसर्स पटेल प्रवीणभाई इश्वरभाई नाम की आंगडियापीढ़ी स्थित है। इस पीढ़ी के अहमदाबाद, सूरत, राजकोट, डीसा, पालनपुर, मेहसाणा, वीसनगर, इडर जैसे शहरों में ब्रांच स्थित है । अहमदाबाद की रतनपोल में स्थित शाखा में कुल ८ व्यक्ति काम करते है। मेहसाणा के गोकलगढ गांव में रहते अरविंद गांडाभाई प्रजापति पिछले दो वर्ष से इस पीढ़ी में मैनेजर के तौर पर डयुटी करते हैं । अरविंदभाई पीढ़ी में आ रहे पार्सलों को नोट करके इसका हिसाब रखते थे । २६ तारीख को दोपहर में अरविंदभाई ने बलदेवभाई को फोन करके जानकारी दी थी कि, बडौदा में मेरे संबंधी बीमार होने से मैं उनका हालचाल लेने जा रहा हूं और शुक्रवार को सुबह में पीढ़ी पर आ जाऊंगा । पीढ़ी में आये पार्सलों-नकद उन्होंने सेफ डिपॉजिट वोल्ट में रख दिए होने का उन्होंने बताया है, दूसरे दिन सुबह में व्यापारियों ने बलदेव को फोन करके जानकारी दी कि, पीढ़ी बंद है और अरविंदभाई की कोई जानकारी नहीं है।

एएमसी ऑफिस दाणापीठ के पास रबारी और भरवाड समाज की तरफ से आवारा पशुओं को पकड़ने से मुद्दे पर पेशकश की गई थी।

पूर्व क्षेत्र में तीन स्थलों पर सांप दिखाई देने पर दहशत

अहमदाबाद । अहमदाबाद शहर के पूर्व क्षेत्र में गुरुवार को हाटकेश्वर, निकोल और नरोडा यह तीन अलग-अलग क्षेत्रों में सांप और कोबरा निकलने पर स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई थी। हालांकि जागरूक नागरिकों ने सांप को मारने के बदले में रेस्क्यु टीम को बुलाने पर स्नेककेचर टीम के सदस्यों ने तीन सांप को पकड़कर योग्य स्थल पर इसे छोड़ देने से लोगों ने काफी राहत महसूस किया है। सांप और कोबरा निकलने की घटना को लेकर इस क्षेत्र में भारी सनसनी मच गई थी। सांप-कोबरा के रेस्क्यु के समय में लोगों की भीड़ घटना स्थल पर पहुंच गई थी।

शहर के नरोडा क्षेत्र में गुरुवार को चार फीट का कोबरा निकला था कि, निकोल में डेढ़ फीट छोटा कोबरा देखने को मिला था। इसी प्रकार से हाटकेश्वर क्षेत्र में सामल सांप दिखाई देने पर स्थानीय लोगों में काफी दहशत फैल गई थी। सांप और कोबरा दिखाई देने पर विशेष करके महिलाओं और बच्चों में काफी दहशत फैल गई थी। हाटकेश्वर में जो सांप मिला यह एक्टिवा में छिपा हुआ देखने को मिला था। हालांकि यह सामल सांप बिना जहर होने का रेस्क्यु टीम ने बताने पर लोगों ने राहत महसूस की। काफी मेहनत के बाद स्नेककेचर टीम के सदस्यों ने सुरक्षित तरीके से तीन सांप-कोबरा को रेस्क्यु करके इसे योग्य स्थल पर छोड़ दिया गया था। जिसकी वजह से स्थानीय निवासियों ने राहत महसूस किया। लोगों ने रेस्क्यु टीम के सदस्यों का आभार माना।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com